यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन

न्यूज लेटर

02 फरवरी, 2018

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी के साथ वार्ता करते हुए प्रो0 कमलेश दत्त त्रिपाठी जी, आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, वरिष्ठ पत्रकार डॉ0 रामनरेश त्रिपाठी जी एवं विश्वविद्यालय के निदेशगण।

विश्वविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र द्वारा स्वनिर्मित बुके जिसे विश्वविद्यालय में आगन्तुक अतिथियों के स्वागार्थ प्रदान किया जाता है।

सांस्कृतिक संतुलन है भारतीय संस्कृति में–प्रो0 त्रिपाठी

मुविवि में भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान आयोजित

दिनांक 02 फरवरी, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रर्थ सभागार में ''भारतीय संस्कृति : एक विवेचना (आधुनिक संदर्भ में)'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता संस्कृत साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान प्रो0 कमलेश दत्त त्रिपाठी जी, आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी रहे एवं सारस्वत अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ0 रामनरेश त्रिपाठी जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुब जी ने की।

अतिथियों का स्वागत आयोजन सचिव डॉ0 स्मिता अग्रवाल ने तथा व्याख्यान के बारे में मानविकी विद्याशाखा के निदशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने जानकारी दी । संचालन डॉ0 रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 रामजी मिश्र एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

सभागार में उपस्थित स्रोतागण।

कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई छात्रा एवं सभागार में उपस्थित स्रोतागण।

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल डॉ0 साधना श्रीवास्तव एवं सुश्री मारिषा।

याख्यान के बारे में जानकारी देते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव।

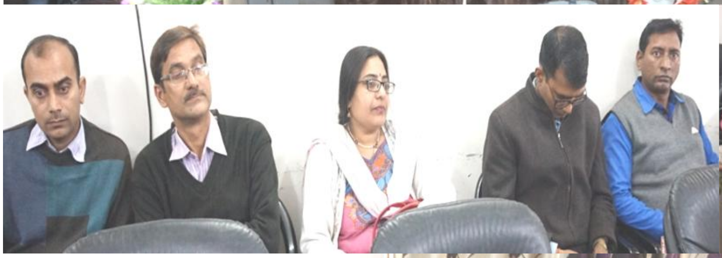

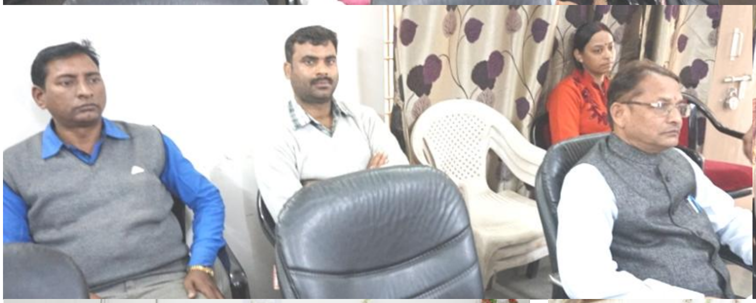

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए मा0 कुलपति जी।

प्रो0 कमलेश दत्त त्रिपाठी

सांस्कृतिक संतुलन है भारतीय संस्कृति में—प्रो0 त्रिपाठी

मुख्य वक्ता संस्कृत साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान प्रो0 कमलेश दत्त त्रिपाठी आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतवर्ष में एक सांस्कृतिक संतुलन है। भारतीय संस्कृति दो प्रत्ययों पर खड़ी है धर्म और प्रेम। यह धर्म बदलने वाला नहीं है, यह तो सनातन है जो सारे विश्व के लिए भारत की तरफ से उपहार है। इसी तरह प्रेम में विश्व बन्धुत्व की भावना विद्यमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सनातन संस्कृति है। ये संस्कृति अविच्छिन्न प्रवाह से चलती रहती है। उन्होंने कहा कि यह देश अदभुत है। भारतीय संस्कृति में विद्या ज्ञान उत्पन्न करती है, धन से दान तथा शक्ति से रक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि आज इस बात की पुनर्विवेचना की आवश्यकता है कि हम 1000 वर्षो तक पराधीन क्यों रहे। हमने जो प्रतिरोध किया और विजय प्राप्त की, उसकी चर्चा कहीं नहीं की गयी। हमें नकारात्मक चित्रण से उबरना चाहिए। वैश्वीकरण के युग में हमारे सामने फिर से नई चुनौतियां सामने आ गयी हैं।

डॉ0 रामनरेश त्रिपाठी

सारस्वत अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ0 रामनरेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रयाग की यह भूमि आदि संस्कृति का स्रोत है। प्रयाग में ही पूर्णता की प्राप्ति होती है। वेदों का प्रथम गायन प्रयाग में ही हुआ। भारतीय संस्कृति की झलक यहां माघ मेले में एक माह तक लगने वाले कल्पवास में देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की चर्चा आज पूरे विश्व में हो रही है। एक–एक मंत्र का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है।

मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे

अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि धर्म शाश्वत है और संस्कृति बदलती रहती है। भारतीय संस्कृति का स्वरूप कभी एक जैसा नहीं रहा। पहले गांव में हल और बैल से खेतों की जुताई होती थी, फिर सामाजिक, सांस्कृतिक संबंध बदलने के साथ–साथ ट्रैक्टर से जुताई होने लगी। उन्होंने कहा कि आज हमें सांस्कृतिक संतुलन बनाये रखने की आवश्यकता है। पश्चिम की नकल हमें नहीं करनी है। वैश्वीकरण के दौर में हो रहे बदलाव के मध्य हम बदलती संस्कृति से कैसे तादात्म्य स्थापित करें, इस पर भी विचार की आवश्यकता है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव प्रो0(डॉ0) जी0एस0 शुक्ल

जनसंदेश टाइम्स

संक्षेप

मुविवि में 'भारतीय संस्कृति : एक विवेचना' पर व्याख्यान दो फरवरी को

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दो फरवरी को दोपहर 230 बजे "भारतीय संस्कृति : एक विवेचना (आधुनिक संदर्भ में)" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रो.(डॉ) जीएस शुक्ल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि व्याख्यान के मुख्य वक्ता संस्कृत साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी होंगे एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो एमपी दुबे करेंगे।

बारहवीं न्यायमूर्ति एसएन द्विवेदी क्रिकेट प्रतियोगिता दस से

e-paper : www.dailynewsactivist.com
website : www.dnahindi.com
शब्द शब्द संघर्ष
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट
RNI NO.: UPHIN/2007/42888
संस्करण : लखनऊ • इलाहाबाद
16

8 ग्लेशियर पर हो हमारा अपना अध्ययन | 9 गाड़ियां चमकाने की कीमत चुकाता जल | 14 बोर्ड परीक्षा की तैयारी अंतिम दौर में

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में शुक्रवार, 02 फरवरी को दोपहर 02.30 बजे 'भारतीय संस्कृति: एक विवेचना (आधुनिक संदर्भ में)' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने यह जानकारी दी। आयोजन सचिव डॉ. स्मिता अग्रवाल ने बताया कि व्याख्यान के मुख्य वक्ता संस्कृत साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी होंगे एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो. एमपी दुबे करेंगे।

इलाहाबाद 01-02-2018
http://www.dailynewsactivist.com

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

e-paper : www.dailynewsactivist.com
website : www.dnahindi.com
शब्द शब्द संघर्ष
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट
RNI NO.: UPHIN/2007/42888
संस्करण : लखनऊ • इलाहाबाद
16

8 आर्थिक मोर्चे पर बजट का सियासी दांव | 9 कांग्रेस तो कांग्रेस ही रहेगी! | 14 कप्तानगंज व रामकोला चीनी मिलें उगल रही हैं जहर

भारतीय संस्कृति में सांस्कृतिक संतुलनः प्रो. त्रिपाठी

डेली न्यूज़ नेटवर्क

इलाहाबाद। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में शुक्रवार को 'भारतीय संस्कृति: एक विवेचना (आधुनिक संदर्भ में)' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता संस्कृत साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतवर्ष में एक सांस्कृतिक संतुलन है। भारतीय संस्कृति

- मुविवि में भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान का आयोजन

दो प्रत्ययों पर खड़ी है धर्म और प्रेम। यह धर्म बदलने वाला नहीं है, यह तो सनातन है जो सारे विश्व के लिए भारत की तरफसे उपहार है। इसी तरह प्रेम में विश्व बन्धुत्व की भावना विद्यमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सनातन संस्कृति है।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रामनरेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रयाग की यह भूमि आदि संस्कृति का स्रोत है। प्रयाग में ही पूर्णता की प्राप्ति होती है। वेदों का प्रथम गायन प्रयाग में ही हुआ। भारतीय संस्कृति की झलक यहां माघ मेले में एक माह तक लगने वाले कल्पवास में देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की चर्चा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि धर्म शाश्वत है और संस्कृति बदलती रहती है। भारतीय संस्कृति का स्वरूप कभी एक जैसा नहीं रहा। पहले गांव में हल और बैल से खेतों की जुताई होती थी, फिर सामाजिक, सांस्कृतिक संबंध बदलने के साथ-साथ ट्रैक्टर से जुताई होने लगी। उन्होंने कहा कि आज हमें सांस्कृतिक संतुलन बनाये रखने की आवश्यकता है। पश्चिम की नकल हमें नहीं करनी है। वैश्वीकरण के दौर में हो रहे बदलाव के मध्य हम बदलती संस्कृति से कैसे तादात्म्य स्थापित करें, इस पर भी विचार की आवश्यकता है। अतिथियों का स्वागत आयोजन सचिव डॉ. स्मिता अग्रवाल ने तथा व्याख्यान के बारे में मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ. आरपीएस यादव ने जानकारी दी।

इलाहाबाद 03-02-2018
http://www.dailynewsactivist.com

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष 3 वर्ष 6 अंक 283, पृष्ठ 16, मूल्य: 3.00
इलाहाबाद, शनिवार, 3 फरवरी, 2018
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित
नगर संस्करण
www.jansandeshtimes.net

हाईकोर्ट से लालू को नहीं मिली राहत - 15

मेरीकॉम को इंडियन ओपन मुक्केबाजी में स्वर्ण - 13

जनसंदेश टाइम्स शनिवार, 3 फरवरी, 2018

दीप प्रज्वलित करती महापौर

इलाहाबाद भास्कर

सांस्कृतिक संतुलन है भारतीय संस्कृति में : प्रो. त्रिपाठी

इलाहाबाद। भारतवर्ष में एक सांस्कृतिक संतुलन है। भारतीय संस्कृति दो प्रत्ययों पर खड़ी है, धर्म और प्रेम। यह धर्म बदलने वाला नहीं है, यह तो सनातन है जो सारे विश्व के लिए भारत की तरफ से उपहार है। इसी तरह प्रेम में विश्व बन्धुत्व की भावना विद्यमान है।

उक्त बातें मुख्य वक्ता संस्कृत साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित ''भारतीय संस्कृति : एक विवेचना (आधुनिक संदर्भ में)'' विषय पर व्याख्यान के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सनातन संस्कृति है। ये संस्कृति अविच्छिन्न प्रवाह से चलती रहती है। उन्होंने कहा कि यह देश अदभुत है। भारतीय संस्कृति में विद्या ज्ञान उत्पन्न करती है, धन से दान तथा शक्ति से रक्षा की जाती है। आज इस बात की पुनर्विवेचना की आवश्यकता है कि हम एक हजार वर्षों तक पराधीन क्यों रहे। हमने जो प्रतिरोध किया और विजय प्राप्त की, उसकी चर्चा कहीं नहीं की गयी। हमें नकारात्मक चित्रण से उबरना चाहिए। वैश्वीकरण के युग में हमारे सामने फिर से नई चुनौतियां सामने आ गयी हैं। सारस्वत अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डा.रामनरेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रयाग की यह भूमि आदि संस्कृति का स्रोत है। प्रयाग में ही पूर्णता की प्राप्ति होती है। वेदों का प्रथम गायन प्रयाग में ही हुआ। भारतीय संस्कृति की झलक यहां माघ मेले में एक माह तक लगने वाले कल्पवास में देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की चर्चा आज पूरे विश्व में हो रही है। एक-एक मंत्र का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि धर्म शाश्वत है और संस्कृति बदलती रहती है। भारतीय संस्कृति का स्वरूप कभी एक जैसा नहीं रहा। पहले गांव में हल और बैल से खेतों की जुताई होती थी, फिर सामाजिक, सांस्कृतिक संबंध बदलने के साथ साथ ट्रैक्टर से जुताई होने लगी। उन्होंने कहा कि आज हमें सांस्कृतिक संतुलन बनाये रखने की आवश्यकता है। पश्चिम की नकल हमें नहीं करनी है। वैश्वीकरण के दौर में हो रहे बदलाव के मध्य हम बदलती संस्कृति से कैसे तादात्म्य स्थापित करें, इस पर भी विचार की आवश्यकता है। अतिथियों का स्वागत आयोजन सचिव डा. स्मिता अग्रवाल ने तथा व्याख्यान के बारे में मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डा. आरपीएस यादव ने जानकारी दी। संचालन डा. रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने किया।

संबोधित करते प्रो.कमलेश दत्त त्रिपाठी

भारत और ऑस्ट्रेलिया में खिताबी भिड़ंत आज पेज14 | बिटक्वाइन पर कर वसूलने की तैयारी कर रहा विभाग पेज15
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

भारतीय संस्कृति में है विविधताओं का संतुलन

मुक्त विवि में संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो.कमलेश दत्त।

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 'भारतीय संस्कृतिः एक विवेचना (आधुनिक संदर्भ में)' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता बीएचयू शताब्दी पीठ के आचार्य प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने कहा कि भारतवर्ष में एक सांस्कृतिक संतुलन है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सनातन संस्कृति है। ये संस्कृति अविच्छिन्न प्रवाह से चलती रहती है। यह देश अद्भुत है। आज इस बात की पुनर्विवेचना की आवश्यकता है कि हम 1000 वर्षों तक पराधीन क्यों रहे। वैश्वीकरण के युग में हमारे सामने फिर से नई चुनौतियां सामने आ गयी हैं। सारस्वत अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रामनरेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रयाग की यह भूमि आदि संस्कृति का स्रोत है। वेदों का प्रथम गायन प्रयाग में ही हुआ। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि धर्म शाश्वत है और संस्कृति बदलती रहती है। स्वागत आयोजन सचिव डॉ. स्मिता अग्रवाल ने किया।

दैनिक जागरण
www.jagran.com
हुड्डा समेत 34 लोगों के खिलाफ चार्जशीट पेश }11 अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में भारत-आस्ट्रेलिया आज भिड़ेंगे }20

संस्कृत में समाहित है संस्कृति का उत्थान : आचार्य प्रो. कमलेश

इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में शुक्रवार को ''भारतीय संस्कृति : एक विवेचना शीर्षक व्याख्यान आयोजित किया। मुख्य वक्ता शताब्दी पीठ भारत अध्ययन केंद्र काशी हिंदू विवि के आचार्य प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी रहे। उन्होंने कहा भारतवर्ष में एक सांस्कृतिक संतुलन है।

भारतीय संस्कृति दो प्रत्ययों पर खड़ी है धर्म और प्रेम। यह धर्म बदलने वाला नहीं है। सही अर्थ में संस्कृत से ही संस्कृति का उत्थान है। सारस्वत अतिथि डा. रामनरेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रयाग की भूमि आदि संस्कृति का स्रोत है। प्रयाग में ही पूर्णता की प्राप्ति होती है। वेदों का प्रथम गायन प्रयाग में ही हुआ। भारतीय संस्कृति की झलक कल्पवास में देखी जा सकती है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि धर्म शाश्वत है और संस्कृति बदलती रहती है। अतिथियों का स्वागत डा. स्मिता अग्रवाल ने किया। धन्यवाद कुलसचिव प्रो. जी.एस. शुक्ल ने किया।

यूपीआरटीओयू मुक्त चिंतन

न्यूज लेटर

03 फरवरी, 2018

मुविवि में कार्यालयीय व्यवस्था के सुचारु एवं पारदर्शी संचालन के लिए बैठक

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे की अध्यक्षता में शनिवार को विश्वविद्यालय में कार्यालयीय व्यवस्था के सुचारु एवं पारदर्शी संचालन के लिए बैठक आयोजित की गयी। बैठक में निर्णय लिया गया कि छात्र–छात्राओं के शिकायतों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के लिए सम्पूर्ण शिकायतों को एकीकृत रुप में प्राप्त किया जाय। इसके उपरान्त सम्बन्धित पटल सहायकों के पास समय सीमा निर्धारित करते हुए प्रेषित किया जाए। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि छात्र–छात्राओं एवं अभिभावकों को विभिन्न पटल सहायकों से मिलकर कार्य कराने की व्यवस्था पर नकेल कसी जाय। बैठक में कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में पत्रावलियों के अनुरक्षण का कार्य व्यवस्थित ढंग से करने के लिए फाइल रजिस्टर में पत्रावली का विषय, कमांक एवं फाइल खोलने की तिथि का स्पष्ट उल्लेख किया जाय। कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में केन्द्रीयकृत प्राप्ति एवं प्रेषण व्यवस्था लागू की जायेगी जिससे अतिरिक्त श्रम एवं समय की बचत होगी। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के घर पर भेजी जाने वाली पाठ्य–सामग्री (SLM) के अतिरिक्त डाक प्राप्ति एवं प्रेषण हेतु केन्द्रीयकृत व्यवस्था प्रारम्भ की जायेगी तथा कम्प्यूटराइज्ड फाइल और लेटर ट्रेकिंग माडयूल के कार्य में और तेजी लायी जायेगी। कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में कार्य संस्कृति का विकास करने के लिए कार्यशील कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए उन्हें सम्मानित किया जाता है ।

कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि कतिपय अध्ययन केन्द्रों द्वारा अनर्ह शिक्षकों द्वारा परामर्श कक्षाओं के संचालन पर रोक लगााने के लिए कड़े कदम उठायें गये हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन केन्द्रों द्वारा संचालित की जाने वाली परामर्श कक्षाओं के आत्मवृत्त का परीक्षण विश्वविद्यालय स्तर पर निर्मित निर्धारित समिति से कराकर उनका बायोडाटा विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि यह मुक्त विश्वविद्यालय ऐसा पहला विश्वविद्यालय है जहॉ बायोमैट्रिक उपस्थिति का अनुपालन कई वर्षो पूर्व ही सुनिश्चित किया गया। वर्तमान में सभी कर्मचारी एवं शिक्षक समय से कार्यालय आने एवं कार्यालय अवधि के उपरान्त भी कार्य में रत रहते हैं।

कुलपति प्रो0 दुबे ने कहा कि बेहतर कार्य संस्कृति के लिए कर्मचारियों के पटल परिवर्तन की प्रकिया सुनिश्चित की गयी है तथा अन्य विभागों में स्थानान्तरण करके वर्षो से एक ही विभाग में जमें कर्मचारियों के बीच समुचित कार्य विभाजन किया गया है।

बैठक में विश्वविद्यालय के सभी विद्याशाखा के निदेशक, पुस्तकालयाध्यक्ष, सभी प्रभारी, सभी उपकुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव उपस्थित रहे।

per : www.dailynewsactivist.com
site : www.dnahindi.com
शब्द शब्द संघर्ष
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

आर्थिक मोर्चे पर बजट का सियासी दांव
9 कांग्रेस तो कांग्रेस ही रहेगी!
14 कप्तानगंज व रामकोला चीनी मिलें उगल रही हैं जहर

एक बेहतर यूपी को उभारने में बीते राज्यपाल के साढ़े तीन साल

लखनऊ (डीएनएन)। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक का साढ़े तीन साल का कार्यकाल एक बेहतर उत्तर प्रदेश का चित्र उभारने में बीता। जनवरी 2018 तक बीते साढ़े तीन साल में उन्होंने स्वयं को केंद्र के प्रतिनिधि के साथ ही साथ राज्य की जनता का अपना राज्यपाल के रूप में स्थापित किया है। इस दौरान उन्होंने भेंट और मुलाकातों, राज्य के जनपदों में भ्रमण के माध्यम से जनता से संवाद बढ़ाने का अभूतपूर्व कार्य कर अपने को सिद्ध किया है।

राज्यपाल ने 22 जुलाई 2014 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद से राज्य की जनता के विभिन्न वर्गों के लोगों से मिलने जुलने की जो परंपरा शुरू की उसे आगे बढ़ाते हुए अब तक लगभग 22 हजार लोगों से भेंट कर उत्तर प्रदेश के साथ अपने संबंधों को अत्यंत अपनत्व भरा बनाया है। मराठी भाषी होते हुए भी उन्होंने हिन्दी भाषी जनता के साथ संवाद को न केवल बढ़ाया बल्कि हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश की पहचान में भी भरपूर योगदान देकर लोगों के बीच एक विशेष स्थान बनाया है। यह सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख केंद्र रहा है लेकिन आजादी के बाद स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अतिरिक्त आजादी के लड़ाई के अन्य प्रस्थान बिन्दुओं पर कभी ध्यान नहीं दिया जाता रहा है। राज्यपाल राम नाईक ने राज्य की इस कमी को दूर करते हुए राज्य सरकार को स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और इसे मैं लेकर रहूंगा की लखनऊ कांग्रेस में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा की गई सिंह गर्जना को एक आयोजन के रूप में मनाए जाने की प्रेरणा दी और पूरे कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ उपस्थित रहकर उत्तर प्रदेश के साथ अपने संबंधों को एक नया आयाम दिया।

> ● राम नाईक ने अब तक लगभग 22 हजार लोगों से भेंट कर उत्तर प्रदेश के साथ अपने संबंधों को अत्यंत अपनत्व भरा बनाया है

(शेष पेज-15 पर)

एक बेहतर यूपी को उभारने में बीते राज्यपाल के साढ़े तीन साल

...इंवेस्टर्स समिट के जरिए पूरे देश और विदेशों में उत्तर प्रदेश की ब्रांडिंग के लिए कार्यरत राज्य सरकार के प्रयासों को एक नई दिशा देते हुए राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के आयोजन की प्रेरणा सरकार को दी और बीते 24 से 26 जनवरी तक उसका भव्य आयोजन करा कर उत्तर प्रदेश के लोगों की बेहतरी को एक नई दिशा भी प्रदान की। जनता से संवाद लोकतंत्र की मौलिक आवश्यकता है जिसे राज्यपाल ने निरंतर बनाए रखा है। राज्यपाल ने जनसंख्या एवं क्षेत्रफल की दृष्टि से विशाल उत्तर प्रदेश में सैकड़ों सार्वजनिक कार्यक्रमों में अब तक प्रतिभाग किया है। अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल में राज्यपाल ने राजभवन में 21,581 लोगों से मुलाकात की और इसमें पिछले छह माह की 3,337 मुलाकातें शामिल हैं जो कि चौथे वर्ष की 50 प्रतिशत अवधि समाप्त होने पर प्रथम वर्ष की कुल मुलाकातों का 57.43 प्रतिशत है। राज्यपाल से मुलाकात करने वालों का सिलसिला लगातार बढ़ता रहा है। इससे पूर्व शायद ही किसी राज्यपाल ने आमजन से व्यक्तिगत रूप से इतनी मुलाकातें की होंगी। राज्यपाल अपने अब तक के कार्यकाल में राजभवन और लखनऊ में आयोजित 766 कार्यक्रमों में शामिल हुए जिसमें 113 कार्यक्रम पिछले 6 माह की अवधि में आयोजित हुए हैं जो प्रथम वर्ष की कार्यक्रमों का 56.78 प्रतिशत है। राज्यपाल नाईक ने लखनऊ के बाहर 480 कार्यक्रमों में शिरकत की, जिसमें 87 कार्यक्रम पिछले 6 माह की अवधि के हैं जो प्रथम वर्ष के कुल कार्यक्रमों के सापेक्ष 60.83 प्रतिशत है। श्री नाईक द्वारा अपने क्रियाकलापों की जानकारी जवाबदेही एवं पारदर्शिता के मद्देनजर जनता को प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से प्रदान की गई। राज्यपाल के अब तक के कार्यकाल में कुल 1,572 प्रेस विज्ञप्तियां जारी हुई जिनमें 250 विज्ञप्तियां पिछले 6 माह की अवधि में जारी हुई हैं जो कि प्रथम वर्ष में जारी कुल विज्ञप्तियों का 67.93 प्रतिशत है।

इलाहाबाद, रविवार
4 फरवरी 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 22+4=26

दैनिक जागरण

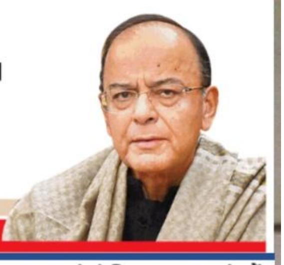

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पं. बंगाल से प्रकाशित

उत्तर प्रदेश नहीं देखा तो इंडिया नहीं देखा } 17
अर्थव्यवस्था के नए दौर में अहम होगा एमएसएमई सेक्टर : जेटली } 19

हां, मैंने हरा दिया कैंसर को

जागरण से साक्षात्कार के दौरान राज्यपाल उप्र राम नाईक • रंगनाथ तिवारी

कैंसर से जीत की कहानी राज्यपाल की जुबानी, राम नाईक ने दैनिक जागरण से साझा किया अपना संघर्ष

मुझे 60 वर्ष की उम्र में कैंसर हुआ था। मैंने बीमारी से डरने के बजाए नियमित इलाज कराया। बेटियों, पत्नी और मित्रों-शुभचिंतकों ने पूरा ख्याल रखा। हिम्मत नहीं हारी और ठीक होकर जल्द काम पर लौटा। अब 83 वर्ष का हो गया हूं और उसी ऊर्जा के साथ जनसेवा जारी है। अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि कैंसर खतरनाक है, मगर लाइलाज नहीं। समय पर जांच, सही इलाज व दृढ़ इच्छा शक्ति के जरिए इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है। लिहाजा, इस बीमारी से जूझ रहे लोग घबराएं बिल्कुल नहीं, बल्कि इसका डटकर मुकाबला करें। चिकित्सा विज्ञान में हाल के दिनों में काफी प्रगति हुई है। इससे मरीजों का आधुनिक विधि से इलाज मुमकिन हो गया है। शारीरिक दिक्कत महसूस होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। समय पर जांच व इलाज से इस बीमारी का पूरी तरह निदान संभव है।

सदन में साथी ने कहा पीलिया हो गया, तो मैंने बोला मजाक मत करो : बजट सत्र के दौरान एक दिन घर गया, पत्नी ने कहा कि कुछ कमजोर लग रहे हो। तब मैंने उनकी बातों को अनसुना कर दिया। दूसरे दिन, दिल्ली फिर सदन में चर्चा के लिए लौटा। बगल की सीट पर बैठे सांसद आण्णा जोशी ने कहा कि अरे, रामभाऊ तुम्हें पीलिया हो गया है। उनकी बात पर मैंने हंसते हुए कहा कि सदन में मजाक मत करो लेकिन, अण्णा जी नहीं माने। लंच के दौरान उन्होंने जलगांव के सांसद डॉ. गुणवंत सरोदे को बुलाया। दोनों मुझे लोकसभा डिस्पेंसरी ले गए।

डॉक्टर ने नहीं दिखाई रिपोर्ट, कहा घर से किसी को बुलाओ : लोकसभा की डिस्पेंसरी में ब्लड व यूरिन की जांच की गई। पता चला कि पीलिया नहीं है। इसके बाद डॉक्टर ने सोनोग्राफी के लिए लिखा। रिपोर्ट आने के बाद डॉक्टर के माथे पर शिकन आ गई। मैं रिपोर्ट पूछने गया, तो डॉक्टर ने कहा कि परिवार का कोई सदस्य बुलाओ। मैंने कहा यहां कोई नहीं है, जो भी हो मुझे बताओ। डॉक्टर सोचने लगे कि बताऊं कि न बताऊं। तब मैंने कहा कि आप मुझे बताएं, मैं खुद को संभाल सकता हूं। तब उन्होंने टाटा हॉस्पिटल में जांच कराने को कहा।

हाथ में आई जांच की पर्ची, तो विचार आया पता नहीं कब लौटूंगा : डॉक्टर द्वारा टाटा हॉस्पिटल में जांच के लिए कहते ही मैं भौचक्क रह गया। कारण, सभी जानते हैं कि टाटा में जांच के लिए तभी जाया जाता है जब कैंसर की आशंका हो। ऐसे में पल भर में खुद को संभाला और डॉक्टर से कहा कि जो भी टेस्ट करवाने हैं वह लिख दीजिए। उनसे जांच के लिए लिखी गई पर्ची लेकर जब संसद भवन के बाहर निकला तो मन में विचार आया कि पता नहीं अब कब लौटूंगा।

अटल जी के शब्दों से मिली ऊर्जा : कंसर का पता चलने पर लगा कि मैं लंबे समय तक सदन में नहीं रह पाऊंगा। इसलिए कैंटीन समिति के अध्यक्ष पद का इस्तीफा लेकर दूसरे दिन अटल बिहारी बाजपेयी के पास गया। वे बोले, जल्दी ठीक होकर काम पूरा करो, मुझे इस्तीफा नहीं चाहिए। बस उनके दो वाक्यों ने हौसला सौ गुना बढ़ा दिया। मेरे पुनः आग्रह करने पर इस्तीफा स्वीकार कर सुषमा स्वराज को दायित्व सौंपा गया। हालांकि ठीक होने पर सुषमा स्वराज ने फिर समिति का पद वापस कर दिया।

अस्पताल में आया नरसिंह राव का फोन : दिल्ली से मुंबई जांच के लिए जा ही रहा था कि प्रो. राम कापसे आए। वह बोले कि आप को अकेले नहीं जाना चाहिए। ऐसे में लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि संभव हो तो आप ही साथ चले जाओ। दोनों लोग अस्पताल पहुंचे। यहां दाखिल होते ही तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव का फोन आ गया। तुरंत व्यवस्था दुरुस्त हो गई। जांच में लिंफोमा कैंसर की पुष्टि हुई।

विदेश में इलाज कराने से किया इन्कार : जांच में कैंसर की पुष्टि के बाद टाटा हॉस्पिटल के डॉक्टर ने विदेश में इलाज का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आप सांसद हैं और इलाज का खर्च सरकार उठाएगी तो विदेश में ही इलाज करा लीजिए। यह सुझाव मुझे ठीक नहीं लगा। मैंने डॉक्टर से पूछा कि आप इस बीमारी इलाज कर सकते हो कि नहीं। डॉक्टर ने कहा बीमारी का इलाज तो यहां हो जाएगा। तब मैंने कहा कि जब देश में इलाज मुमकिन है तो विदेश क्यों जाऊं, यहां मुझे ठीक रहेगा। ऐसे में पूरा इलाज टाटा हॉस्पिटल में ही करवाया। इस दौरान बेटी का भी पूरा सहयोग रहा, जो कि कैंसर साइंटिस्ट है।

कुली से लेकर सभी पहुंचे देखने, डॉक्टर ने लगाई पाबंदी : टाटा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान काफी लोग देखने आते थे। यहां गोरिवली रेलवे स्टेशन के कुली से लेकर हर कोई आया। तमाम जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटती थी। डॉक्टर परेशान थे कि ऐसी स्थिति में मुझे इंफेक्शन से बचाकर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता कैसे बढ़ाई जा सकेगी। एक दिन डॉक्टर ने आगंतुकों पर सख्त पाबंदी लगा दी। ऐसे में पास में मौजूद वामनराव बच्चों की तरह फूट फूट कर रोने लगे।

देश की सेवा के लिए मिला पुनर्जन्म : कैंसर से ठीक होने के बाद मेरे कार्यक्रम में अटल जी मुंबई आए। उन्होंने कहा कि सोचो आप मृत्यु के द्वार से वापस क्यों आए। आपने वैभवशाली, संपन्न भारत का सपना देखा है। उस महान कार्य के लिए आपको पुनर्जन्म मिला है। ऐसे में मैंने भी अटल जी से वादा किया कि विधाता ने जो आयु बोनस के रूप में दी है वह देश व जनसेवा में व्यतीत करूंगा। मैंने अपनी पुस्तक 'चरैवेति चरैवेति' में कैंसर से इस लड़ाई का जिक्र किया है। राम नाईक अमृत महोत्सव समिति की पुस्तक 'कर्मयोद्धा' में भी इसका उल्लेख है।

राम नाईक, राज्यपाल, उप्र।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

योग की परीक्षाएं दस से होंगी शुरू

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र दिसंबर-2017 की योग पाठ्यक्रम की परीक्षाएं दस फरवरी शुरू होंगी।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी ने बताया कि पूरे प्रदेश में पहली बार योग पाठ्यक्रम में दस हजार से अधिक शिक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि योग पाठ्यक्रम के अंतर्गत स्नातकोत्तर डिप्लोमा, डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम की परीक्षा होगी। फाफामऊ स्थित विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं बाल निकेतन इंटर कालेज फाफामऊ बाजार में योग कार्यक्रम के परीक्षार्थियों के लिए केन्द्र बनाया गया है। अब तक की सबसे बड़ी परीक्षा होने के कारण परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन से सहयोग मांगा गया है। सभी परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं।

आलू बोर्ड के गठन से दूर होंगी किसानों की दिक्कतें पेज 08
मालदीप मामले में संयुक्त राष्ट्र हस्तक्षेप न करे : चीन पेज 12

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शुक्रवार, 09 फरवरी 2018, इलाहाबाद, पंच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com

मुक्त विश्वविद्यालय : बहुतों को रास आई योग की पढ़ाई

इलाहाबाद | **आनंद मिश्र**

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग पर शुरू किए गए कोर्स हिट हो गए। पूरे प्रदेश से विभिन्न आयु वर्ग के 12235 विद्यार्थी योग की पढ़ाई कर रहे हैं। इस विश्वविद्यालय की ओर से अब तक शुरू किए गए किसी भी कोर्स में विद्यार्थियों की इतनी ज्यादा संख्या कभी नहीं रही।

हालत यह है कि दस फरवरी से शुरू हो रही योग की सेमेस्टर परीक्षा के लिए विवि को सेंटर बढ़ाने के साथ ही परीक्षा आयोजन में प्रशासन का सहयोग मांगना पड़ा। मुक्त विवि में दो माह का योग जागरूकता कार्यक्रम और योग पर छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स काफी दिनों से चल रहा था लेकिन छात्रों ने रुचि नहीं दिखाई थी। पीएम नरेंद्र मोदी की पहल पर 2014 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा के बाद विश्वविद्यालय ने इस दिशा में सक्रियता बढ़ाई। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने योग पर डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा तैयार करवाया। 2017 में इन दो नए समेत योग के सभी चारों कोर्स में प्रवेश लिए गए।

वर्ष 2015 में पहली बार मनाया गया योग दिवस

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मनाने का प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सितंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासंघ के सामने रखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अंदर दिसंबर 2014 में पूर्ण बहुमत से पारित किया गया था। 21 जून का दिन इसलिए तय किया गया क्योंकि यह दिन वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घ आयु प्रदान करता है। पहली बार दिवस 21 जून 2015 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

'योग कोर्स में विद्यार्थियों की संख्या अप्रत्याशित रही। केंद्र और प्रदेश सरकार ने योग को लेकर जिस तरह रुचि दिखाई है, उससे इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं बढ़ी हैं। आगे और बढ़ने की संभावना है।'

-**प्रो. एमपी दुबे**, कुलपति, मुक्त विश्वविद्यालय

अभी चल रहा है प्रवेश

मुक्त विवि में जनवरी 2018 सत्र के लिए सभी 111 पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिए जा रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी ने बताया कि इनमें योग के चारों कोर्स भी शामिल हैं। प्रवेश की अंतिम तिथि 15 फरवरी है। योग जागरूकता कार्यक्रम की फीस 1300 है। सर्टिफिकेट इन योग की फीस 4100 है। डिप्लोमा इन योग की फीस 5100 और पीजी डिप्लोमा इन योग की फीस 6100 रुपये है। यह दोनों कोर्स एक-एक साल के हैं, जिसे अधिकतम तीन साल में पूरा किया जा सकता है।

हिन्दुस्तान
मैगजीन

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शुक्रवार, 09 फरवरी 2018, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 23, अंक 34, 28 पेज, मूल्य ₹ 3.00, फाल्गुन, कृष्ण पक्ष, नवमी, विक्रम संवत् 2074

कंगना की सफाई

फिल्म 'मणिकर्णिका-द क्वीन ऑफ झांसी' की नायिका कंगना रनौत ने कहा है कि फिल्म में ऐसा कोई प्रेम-प्रसंग नहीं है, जिस पर किसी जाति को आपत्ति हो। पेज 13

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में 12235 विद्यार्थी कर रहे योग के तीन कोर्स की पढ़ाई

बहुतों को रास आई योग की पढ़ाई

इलाहाबाद | **आनंद मिश्र**

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग पर शुरू किए गए कोर्स हिट हो गए। पूरे प्रदेश से विभिन्न आयु वर्ग के 12235 विद्यार्थी योग की पढ़ाई कर रहे हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से अब तक शुरू किए गए किसी भी कोर्स में विद्यार्थियों की इतनी ज्यादा संख्या कभी नहीं रही।

हालत यह है कि दस फरवरी से शुरू हो रही योग की सेमेस्टर परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय को सेंटर बढ़ाने के साथ ही परीक्षा आयोजन में जिला प्रशासन का सहयोग मांगना पड़ा। मुक्त विश्वविद्यालय में दो माह का योग जागरूकता कार्यक्रम और योग पर छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स बहुत पहले से चल रहा था लेकिन छात्रों की इसमें बहुत ज्यादा रुचि नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 2014 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मनाने की घोषणा के बाद विश्वविद्यालय ने इस दिशा में सक्रियता बढ़ाई।

कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने योग पर डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स तैयार करवाया। जुलाई 2017 में इन दो नए समेत योग के सभी चारों कोर्स में प्रवेश लिए गए। सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा में विद्यार्थियों की संख्या अप्रत्याशित रही। कुल 12235 ने विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।

2015 में पहली बार मना योग दिवसः 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मनाने का प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सितंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासंघ के सामने रखा गया था।

अभी चल रहा है प्रवेश

● मुक्त विवि में जनवरी 2018 सत्र के लिए सभी 111 पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिए जा रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी ने बताया कि इनमें योग के चारों कोर्स भी शामिल हैं। प्रवेश की अंतिम तिथि 15 फरवरी है। योग जागरूकता कार्यक्रम की फीस 1300 रुपये है। यह कोर्स दो माह का है, इसे इतनी ही फीस पर एक साल के भीतर पूरा किया जा सकता है। सर्टिफिकेट इन योग की फीस 4100 है। यह कोर्स छह माह का है, जिसे दो साल में पूरा किया जा सकता है। डिप्लोमा इन योग की फीस 5100 और पीजी डिप्लोमा इन योग की फीस 6100 रुपये है। यह दोनों कोर्स एक-एक साल के हैं, जिसे अधिकतम तीन साल में पूरा किया जा सकता है।

डिग्री कोर्स का भेजा गया है प्रस्ताव

● मुक्त विवि ने योग पर तीन साल का डिग्री कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव यूजीसी के पास भेजा है। यह कोर्स सेमेस्टर और ग्रेडिंग सिस्टम पर आधारित है। नियमानुसार कोई भी डिग्री कोर्स यूजीसी की मंजूरी से ही शुरू हो सकता है। भविष्य में डिग्री कोर्स भी शुरू होने की संभावना है।

योग कोर्स में विद्यार्थियों की संख्या अप्रत्याशित रही। केंद्र और प्रदेश सरकार ने योग को लेकर जिस तरह रुचि दिखाई है, उससे इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं बढ़ी हैं। आगे और बढ़ने की संभावना है।
प्रो . एमपी दुबे, कुलपति, मुक्त विवि

यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन
न्यूज लेटर
10 फरवरी, 2018

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

कानपुर विश्वविद्यालय में राज्य विश्वविद्यालय कुलपति सम्मेलन का आयोजन

राज्यपाल की अध्यक्षता में सभी कुलपतियों ने शिरकत की

शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिये नकलविहीन परीक्षा कराने के लिये प्रभावी व्यवस्था की जाये - राज्यपाल

लखनऊ: 10 फरवरी, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक की अध्यक्षता में आज छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के सीनेट हाल में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय के कुलपतियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में राज्य के सभी 28 विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव शिक्षा श्री संजय अग्रवाल, प्रमुख सचिव राज्यपाल सुश्री जूथिका पाटणकर, सचिव राज्यपाल श्री चन्द्र प्रकाश, सचिव तकनीकी शिक्षा श्री भुवनेश कुमार सहित, कृषि शिक्षा एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। कुलपति सम्मेलन से पूर्व राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में नवनिर्मित स्वर्ण जयन्ती द्वार का लोकार्पण किया तथा प्रांगण में स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

राज्यपाल ने कुलपति सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि परीक्षाओं को सम्पन्न कराने में नकल एक बड़ी चुनौती है। शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिये नकलविहीन परीक्षा कराने के लिये प्रभावी व्यवस्था भी की जाये। सीसीटीवी के माध्यम से परीक्षा की मॉनिटरिंग की जाये। ससमय परीक्षा का संचालन हो तथा 30 जून, 2018 तक सभी विश्वविद्यालय अपना परीक्षाफल घोषित करें। उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन कार्य में अधिकाधिक पारदर्शिता लाने का प्रयास किया जाये। पूर्व में दीक्षान्त समारोह समय एवं नियमित रूप से न होने पर विद्यार्थियों को उपाधि मिलने में विलम्ब होता था। उन्होंने ने कहा कि परिणाम घोषित होने के बाद ई-गवनर्स के माध्यम से विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करें कि छात्रों को अंकतालिकाएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर शीघ्रताशीघ्र उपलब्ध हों।

श्री नाईक ने कहा कि दीक्षान्त समारोह की वर्ष 2018-19 की समयसारिणी घोषित कर दी गई है। सत्र 2018-19 में सम्पन्न होने वाले सभी दीक्षान्त समारोह 15 नवम्बर, 2018 तक प्राथमिकता के आधार पर सम्पन्न हों। दीक्षान्त समारोह की सम्भावित तिथि 21 अगस्त, 2018 से 12 नवम्बर 2018 तक की समयसारणी सभी कुलपतियों को उपलब्ध करा दी गई है। दिसम्बर-जनवरी माह में खराब मौसम के कारण कई बार दीक्षान्त समारोह में उपस्थित होने में कठिनाई होती थी। विश्वविद्यालय शिक्षकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने के लिये समीक्षा करते हुए प्रभावी कदम उठायें। उन्होंने कहा कि अध्यापकों के रिक्त पद भरने में लगने वाले समय को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों को मानदेय के रूप में रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि छात्र संघ चुनाव लिंगदोह समिति के निर्देशों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शीघ्रातिशीघ्र करा लिये जाये।

राज्यपाल ने कहा कि स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने से पूर्व उसके औचित्य, शुल्क निर्धारण एवं भविष्य में उपयोगिता को देखते हुए शासन से अनुमति प्राप्त की जाये। स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के संचालन के संबंध में अनेक शिकायतें प्राप्त हो रही हैं शासन द्वारा इनके निराकरण के लिये समय-समय पर अनेक कदम उठाये गये हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों में चल रहे स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की औचित्यता की गहन समीक्षा किये जाने की आवश्यकता है। फीस निर्धारण की प्रक्रिया एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु नियुक्त शिक्षकों की सेवा शर्तों आदि के संबंध में अभी भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कुलपतिगण इस संबंध में शासन के अधिकारियों से विचार-विमर्श करके ठोस निष्कर्ष पर पहुंचे जिससे शासन स्तर से यथानुसार शासनादेश जारी किये जा सकें।

श्री नाईक ने कहा कि विश्वविद्यालय के अधिनियम 1973 के कतिपय प्रावधानों के विरोधाभासी होने तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संशोधन किये जाने की आवश्यकता को देखते हुए कुलाधिपति के विधिक सलाहकार की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है जो विधिवत् अपना काम कर रही है, अब तक समिति की कई रिपोर्टें शासन को सन्दर्भित की जा चुकी हैं। उच्च शिक्षा की प्रबन्धन प्रणाली के अध्ययन हेतु प्रमुख सचिव राज्यपाल के मार्ग दर्शन में महाराष्ट्र, पं0 बंगाल, तमिलनाडु आदि राज्यों के विश्वविद्यालयों का अध्ययन किया जा रहा है। महाराष्ट्र के अध्ययन के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट को प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री तथा विधिक परामर्शदाता की अध्यक्षता में गठित समिति के अध्यक्ष को विचारार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गयी है। उन्होंने कहा कि शेष राज्यों के भ्रमण के उपरान्त तैयार होने वाली रिपोर्ट की संस्तुतियां विश्वविद्यालय के बेहतर प्रबन्धन एवं कार्य-प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने में सहायक सिद्ध होंगी।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में एकरूपता लाने की दृष्टि से कुलपति महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है जो विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करके अपनी संस्तृति कुलाधिपति को प्रस्तुत करेगी। कुलाधिपति अपने स्तर से संस्तुति का अध्ययन करने के उपरान्त आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेंगे।

बैठक में पूर्व में सम्पन्न कुलपति सम्मेलन में लिये गये निर्णयों पर की गई कार्यवाही, अधिनियम में संशोधन, ई-गवर्नेस के संबंध में गठित समिति द्वारा कृत कार्यवाही, विश्वविद्यालय वेबसाइट की अद्यतन स्थिति, विश्वविद्यालय कार्य परिषद की बैठक की रिकार्डिंग, विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों को भरे जाने के संबंध में की कार्यवाही की जानकारी, शोध कार्यों को प्रभावी बनाने की दिशा में किये गये प्रयास, कृषि, चिकित्सा एवं प्रौविधिक शिक्षा के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कुलपति सम्मेलन में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, डॉ0 जे0 वैशम्पायन ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा सचिव राज्यपाल श्री चन्द्र प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में अपर मुख्य सचिव, श्री संजय अग्रवाल ने आश्वास्त किया कि विश्वविद्यालयों की समस्याओं के निराकरण को लेकर राज्य सरकार गम्भीर है, सरकार का प्रयास है कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार हों। उन्होंने अपने स्तर से हर सम्भव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

उल्लेखनीय है कि कुलपतियों की पूर्व बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि वर्ष में दो बार आयोजित होने वाले कुलपति सम्मेलन की एक बैठक लखनऊ में होगी तथा दूसरी बैठक प्रदेश के किसी विश्वविद्यालय में होगी। इसी क्रम में आज कानपुर में आयोजित की गई जबकि इससे पूर्व झांसी और जौनपुर में बैठक आयोजित की जा चुकी है।

पकौड़े में भी कॅरियर बनाया जा सकता है
12 गुजरात की पूर्व सीएम और मध्य प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा-इस काम में कोई बुराई नहीं
रविवार
भ्रष्टाचार पर मुशर्रफ के खिलाफ जांच के आदेश
पूर्व राष्ट्रपति मुशर्रफ के खिलाफ जांच के लिए इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो को दिया आदेश 9

अमर उजाला
amarujala.com
महानगर
वर्ष 26 | अंक 343 | पृष्ठ: 14+8+4+4
मूल्य: चार रुपये
कानपुर
रविवार, 11 फरवरी 2018

हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की तैयारी में है। सामान्य भाषा का प्रयोग किया जाएगा। ब्यूरो

सभी विश्वविद्यालयों में होंगे छात्र संघ चुनाव

राज्यपाल बोले, विश्वविद्यालयों की परीक्षा में भी होगी बोर्ड परीक्षा जैसी सख्ती

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर।

राज्यपाल राम नाईक ने कहा है कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में लिंगदोह समिति की सिफारिशों के अनुसार छात्र संघ चुनाव कराए जाएंगे। विश्वविद्यालय परीक्षा में भी बोर्ड परीक्षा जैसी सख्ती रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी कराई जाएगी।

छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय में कुलपति सम्मेलन में शिरकत करने के बाद राज्यपाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि

खाली पदों पर भर्तियां चालू तीन-चार माह में पूरी होने की संभावना

पहले दीक्षांत समारोह नहीं होते थे। अब शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार प्रवेश और दीक्षांत समारोह पर समाप्त होता है। शिक्षा में गुणवत्ता को बढ़ावा दिया जा रहा है। सम्मेलन में विश्वविद्यालयों में शोध का काम ठीक से आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। कई विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे थे। इनकी भर्तियां शुरू कर दी गई हैं। तीन-चार माह में नियुक्तियां पूरी होने की संभावना है। शैक्षिक सत्र समय से पूरा किया जाएगा। ई गवर्नेंस पर जोर दिया जा रहा है। परीक्षा परिणाम के साथ ही मार्कशीट दी जाएगी। डिग्री दीक्षांत समारोह में मिलेगी। कौशल विकास केंद्रों को बढ़ावा दिया जा रहा है। 16 फरवरी को सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक दूरदर्शन पर प्रधानमंत्री पढ़ाई की तैयारी पर छात्र-छात्राओं से बातचीत करेंगे।

>> संबंधित माई सिटी 7 पर

महानगर
वर्ष 26 | अंक 343 | पृष्ठ: 14+8+4+4
मूल्य: चार रुपये

अमर उजाला

amarujala.com
कानपुर
रविवार, 11 फरवरी 2018

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में हुए कुलपति सम्मेलन में आए कुलपतियों ने एक साथ बैठकर फोटो खिंचाई। अमर उजाला

हर साल 15 जून तक आ जाएंगे परिणाम

कुलपति सम्मेलन में 27 कुलपतियों ने ली शपथ, 15 नवंबर तक हो जाएगा दीक्षांत समारोह

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर।

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में शनिवार को हुए कुलपति सम्मेलन में प्रदेश के 28 राज्य विश्वविद्यालयों के 27 कुलपतियों और प्रतिनिधियों ने यह संकल्प लिया कि हर साल 15 जून तक सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। साथ ही 15 नवंबर तक दीक्षांत समारोह करके विद्यार्थियों को डिग्री भी दे दी जाएगी।

दरअसल, विश्वविद्यालयों में परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने की कोई तिथि निर्धारित नहीं है। ऐसे में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को कई बार दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसको ध्यान में रखते हुए शनिवार को सीएसजेएम विश्वविद्यालय में हुए कुलपति सम्मेलन में राज्य के सभी 28 विश्वविद्यालयों के 27 कुलपतियों ने यह तय किया कि हर साल 15 जून तक सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। कुलाधिपति राम नाईक ने कुलपतियों से कहा कि दीक्षांत समारोह भी समय पर कराए जाएं। महात्मा ज्योतिबा फुले विश्वविद्यालय, बरेली के कुलपति प्रोफेसर अनिल शुक्ला ने दीक्षांत समारोह के संबंध में एक प्रारूप तैयार किया है। प्रारूप की प्रति सभी राज्य विश्वविद्यालयों को भेज दी गई है। कुलपतियों से इस प्रारूप पर सुझाव मांगे गए। इसके बाद यह प्रारूप लागू हो जाएगा। इस प्रारूप में दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थियों का ड्रेस कोड भी तय किया गया है। इसके पूर्व राज्यपाल ने छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण और मां सरस्वती के चित्र पर चुनरी चढ़ाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस दौरान राज्यपाल की प्रमुख सचिव जूथिका पाटणकर, अपर मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) संजय अग्रवाल, सीएसजेएमयू के कुलपति प्रोफेसर जेवी वैशंपायन, एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक, सीएसए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुशील सोलोमन आदि मौजूद रहे।

सम्मेलन में आए कुलपतियों का अभिवादन करते राज्यपाल राम नाईक। अमर उजाला

वेबसाइट पर डालना होगा शिक्षकों का ब्योरा

कानपुर। कुलपति सम्मेलन में तय हुआ है कि नए सत्र के पहले सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अपनी वेबसाइट पर शिक्षकों का ब्योरा डालना होगा। नाम, शैक्षिक योग्यता, फोटो वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी।

कुलपति सम्मेलन के बाद कुलाधिपति राम नाईक ने कहा कि उन्हें मालूम है कि कई सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेज शिक्षकों के शैक्षिक दस्तावेज लगाकर मान्यता प्राप्त कर लेते हैं। वास्तव में वह शिक्षक उस कॉलेज में पढ़ाते नहीं हैं। ऐसे तमाम शिक्षक हैं, जिनके शैक्षिक दस्तावेज कई कॉलेज इस्तेमाल कर रहे हैं। वेबसाइट पर ब्योरा पड़ जाने से इस पर लगाम लगेगी।

25 हजार शिक्षकों की कमी : सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय त्रिवेदी के मुताबिक प्रदेश के सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेजों में लगभग 25 हजार शिक्षकों की कमी है। इस संबंध में भी शासन को सोचना चाहिए।

कुलाधिपति बोले- मुझे मालूम है कि शिक्षक के सिर्फ दस्तावेज लगाकर कॉलेज चला रहे काम

शिक्षकों को पैसा, कॉलेज को मिलती है मान्यता

सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेज यूजीसी के मानक पूरे करने के लिए सिर्फ कागजों पर ही शिक्षकों की नियुक्ति करते हैं। जिन शिक्षकों के नाम चलाए जाते हैं, उन्हें भी इसका लाभ दिया जाता है। कॉलेज प्रबंधन उनको एकमुश्त रकम देते हैं।

यूनिवर्सिटी में हर छात्र को मिलेगा एक जीबी फ्री डाटा

सीएसजेएम यूनिवर्सिटी में कुलपति सम्मेलन में आए राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने यहां मुफ्त वाई-फाई सुविधा जल्द से जल्द लागू करें। हर छात्र को विश्वविद्यालय परिसर में एक जीबी डाटा फ्री मिलेगा, ताकि वह इंटरनेट के माध्यम से अध्ययन कर सके। राज्यपाल ने कहा कि इंटरनेट पर अनंत सूचनाओं का भंडार है। लिहाजा, छात्रों को शैक्षिक संस्थानों में इंटरनेट इस्तेमाल करने के लिए मिलना ही चाहिए। इसी कड़ी में विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि विद्यार्थियों को वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराएं।

शोध कार्यों पर ध्यान दें कुलपति

कुलाधिपति और राज्यपाल राम नाईक ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से कहा कि शोध कार्यों पर ध्यान दें। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शोध कार्यों को बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर लैब व अन्य सुविधाएं छात्रों को मुहैया कराई जाएं। छात्रों को स्टार्टअप के लिए तैयार किया जाए। विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी पर उन्होंने कहा जब तक शिक्षकों की नियुक्तियां नहीं हो जाती हैं, सेवानिवृत्त शिक्षकों को मानदेय पर रखा जाए।

केंद्रीय से राज्य विश्वविद्यालय अच्छे

कुलाधिपति ने कुलपति सम्मेलन में प्रदेश के तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तुलना राज्य विश्वविद्यालयों से की। उन्होंने कहा कि आए दिन इन तीनों केंद्रीय विश्वविद्यालयों में हंगामा, बवाल की खबर सुनने को मिलती है। इनकी अपेक्षा राज्य विश्वविद्यालय अच्छा काम कर रहे हैं। कुलाधिपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 के कई प्रावधान विरोधाभासी हैं। इनमें संशोधन किए जाने की जरुरत है। इसके लिए एक कमेटी का गठन कर दिया गया है, जो कई बिंदुओं पर विचार-विमर्श करके शासन को प्रस्ताव भेजेगी।

दूसरे प्रदेशों के उच्च शिक्षा मॉडल से होगी तुलना

राम नाईक ने बताया कि यूपी के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए प्रमुख सचिव राज्यपाल जूथिका पाटणकर की अध्यक्षता में एक कमेटी अन्य प्रदेशों की उच्च शिक्षा व्यवस्था का आकलन कर रही है। इस सिलसिले में जूथिका पाटणकर महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल जा चुकी हैं।

मूल्यांकन केंद्रों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

कुलाधिपति राम नाईक ने कहा कि मूल्यांकन केंद्रों में क्लोज सर्किट कैमरे लगवाए जाएंगे। जिनसे मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान निगरानी रखी जाएगी।

धनराशि का सही प्रयोग नहीं

कुलपति सम्मेलन में अपर मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) संजय अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के तहत विश्वविद्यालयों को दी जाने वाली धनराशि का सही प्रयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कुलपतियों से कहा कि इस धनराशि से इंफ्रास्ट्रक्चर, एकेडमिक व अन्य क्षेत्रों में सुधार लाया जा सकता है।

ये फैसले भी लिए गए

- ई-गवर्नेंस की प्रक्रिया सभी विश्वविद्यालयों में लागू की जाए। फीस जमा करने से लेकर डिग्री, मार्कशीट हासिल करने तक की प्रक्रिया ऑनलाइन हो।
- सभी विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध महाविद्यालयों को अपनी वेबसाइट अपग्रेड करनी होगी।
- विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठकों की रिकार्डिंग की जाए और उसे राजभवन भेजा जाए।
- ई-मेल पर छात्रों से शिकायतें मंगाई जाएं और उनका निस्तारण किया जाए।

सम्मेलन में जिस समय राज्यपाल रामनाईक बोल रहे थे, उस दौरान फाइन आर्ट के छात्र उमेश कुमार और दीपक वाजपेयी उनका चित्र बनाने में मशगूल थे। अमर उजाला

छात्रों की सहूलियत के लिए मार्कशीट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट आदि ऑनलाइन मिलेंगे। इसके लिए सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश मिले हैं। यह हो जाने से विद्यार्थियों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। **- प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलपति एकेटीयू व एचबीटीयू**

दूरस्थ शिक्षा से ज्यादा छात्रों को लाभान्वित कराने पर मंथन हुआ। कोशिश है कि उन छात्रों तक पहुंचा जाए, जो किसी कारण कॉलेज जाने में सक्षम नहीं हैं। यूपीआरटीओयू लगातार काम कर रहा है। **- प्रो. एमपी दुबे, कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय**

शिक्षा में आधुनिकता जरूरी है। कुलाधिपति के प्रयास बेहद सकारात्मक हैं। इससे छात्रों को रोजगार की तरफ बढ़ाया जा सकता है। स्टार्टअप के बारे में भी गांव के छात्रों को भी बताया जाएगा। **- प्रो. राजाराम यादव, कुलपति, वीर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय**

यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन
न्यूज लेटर
15 फरवरी, 2018

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी।

मेरठ में परीक्षा केन्द्र एस–019 पर निरीक्षण करती हुई मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 पूनम गर्ग

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अध्ययन केन्द्र ग्रामोदय आश्रम पी.जी. कालेज, सया, अम्बेडकरनगर के परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

कोचीन शिपयार्ड में विस्फोट से पांच लोगों की मौत पेज 16 | बांग्लादेश, फ्लोरिडा और शंघाई के डूबने का खतरा पेज 17

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

हैप्पी वैलेंटाइन डे

छात्रा के स्थान पर योग परीक्षा दे रहा था युवक

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विवि में चल रही योग की परीक्षा में मंगलवार को छात्रा के स्थान पर इम्तिहान दे रहे युवक को पकड़ा गया।

मुक्त विवि में परीक्षाएं चल रही हैं। योग पाठ्यक्रमों में परीक्षार्थी अधिक होने से फाफामऊ स्थित मुक्त विवि परिसर के साथ ही बाजार में एक कॉलेज में भी परीक्षा हो रही है। विवि के फाफामऊ में बने केंद्र के अध्यक्ष डॉ. आरपीएस यादव ने बताया कि मंगलवार जांच में योग की परीक्षा दे रहा जैतवारडीह का संजय पाल पकड़ा गया। वह झूंसी के सदाफलदेव विहंगम योग संस्थान की छात्रा की जगह परीक्षा दे रहा था।

अमर उजाला

इलाहाबाद

बुधवार, 14 फरवरी 2018

amarujala.com

आज उड़ान | आयुर्वेद : करियर की बढ़ती संभावनाएं | उत्तर प्रदेश

न्यूज डायरी

छात्रा की जगह परीक्षा देते पकड़ा गया

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को योग में डिप्लोमा कार्यक्रम की परीक्षा के दौरान एक महिला परीक्षार्थी की जगह युवक परीक्षा देते रंगे हाथों पकड़ा गया। हालांकि बाद में उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया गया और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। केंद्राध्यक्ष डॉ. आरपीएस यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के फाफामऊ स्थित सरस्वती परिसर में मंगलवार को पहली पाली में योग कार्यक्रम की परीक्षाएं संचालित हो रही थीं। डिप्लोमा कार्यक्रम के डीवाईएस-03 प्रश्नपत्र की परीक्षा में नामांकित छात्रा की जगह एक युवक परीक्षा देते पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम संजय पाल बताया। वह जैतवारडीह का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि छात्रा झूंसी स्थित सद्गुरु सदाफलदेव विहंगम योग संस्थान से नामांकित है। कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि नकलचियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अध्ययन केंद्र - ग्रामोदय आश्रम पी.जी. कॉलेज सया, अंबेडकरनगर योग कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसमे प्राचार्य - डॉ. राकेश चंद्र तिवारी, मुख्यनियन्ता डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र व केंद्र समन्वयक डॉ. नरेंद्र कुमार पांडेय , सह प्रभारी डॉ. विनोद गोंड, एवं योगाचार्य डॉ ललित तिवारी। सम्मिलित थे।

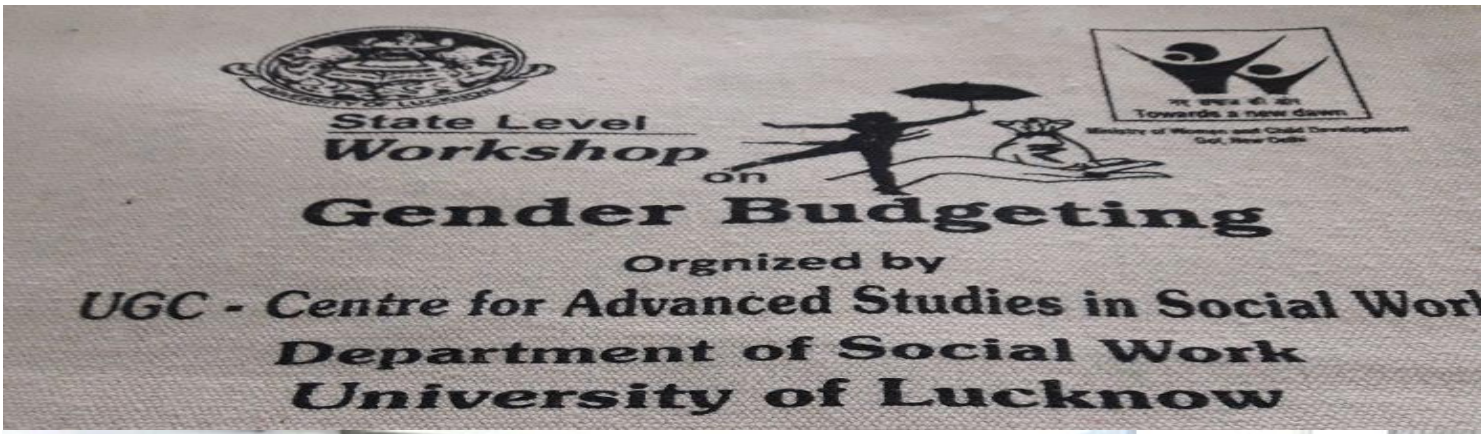

समाज कार्य विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित वर्कशाप में विश्वविद्यालय की ओर प्रतिभाग करती हुई कानपुर की क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 अलका वर्मा

यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन
न्यूज लेटर
21 फरवरी, 2018

दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनन्त संभावनाएं– प्रो0 सिंह

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कुलपति पद का चार्ज लिया

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने आज कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे से चार्ज लिया। नवनियुक्त कुलपति प्रो0 सिंह इससे पूर्व दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के अध्यक्ष पर पर आसीन थे। कुलपति प्रो0 सिंह को बधाई देने वालों का तांता दिनभर लगा रहा। विश्वविद्यालय में नवांगतुक कुलपति प्रो0 सिंह के स्वागत एवं निवर्तमान कुलपति प्रो0 दुबे की विदाई की बेला में समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ0 ओम जी गुप्ता, डॉ0 पी0पी0दुबे, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, डॉ0 टी0एन0 दुबे, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ0 संतोषा कुमार आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने आज विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

निवर्तमान कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी से वार्ता करते हुए नवनियुक्त कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण करते हुए प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा पर
माल्यार्पण करते हुए मा0 कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय अतिथियों

को पुषगुच्छ

प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए

विश्वविद्यालय के

अधिकारी एवं शिक्षक।

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को माला पहनाकर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशकगण।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी जी एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 सन्तोषा कुमार जी

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रभारी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी जी

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ0 टी0एन0 दुबे जी एवं प्रभारी, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 आशुतोष गुप्ता जी एवं निदेशक, मानविकी विद्याशाखा,डॉ0 आर.पी.एस. यादव जी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 पी.पी. दुबे जी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, डॉ0 ओमजी गुप्ता जी।

निवर्तमान कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ जी।

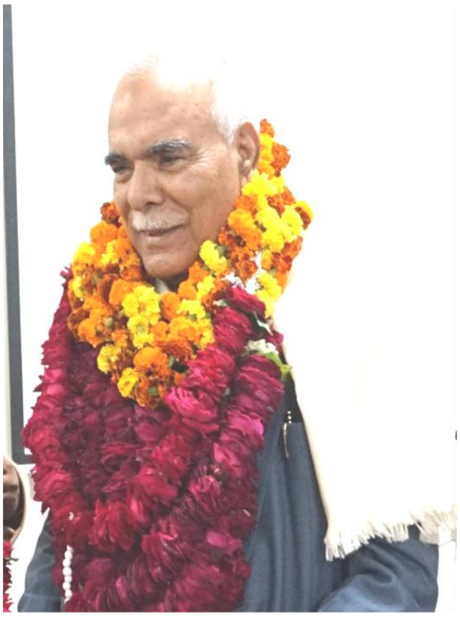

निवर्तमान कुलपति प्रो० एम०पी० दुबे जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनको विदाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार

दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनन्त संभावनाएं– प्रो0 सिंह

नवनियुक्त कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनन्त संभावनाएं हैं। वंचित वर्गो तक दूरस्थ शिक्षा की पहुंच को आसान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास की गति को आगे बढ़ाना उनके लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। विश्वविद्यालय को यहां के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से प्रगति के पथ पर ले जायेंगे।

निवर्तमान कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में अभी बहुत कुछ कार्य किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि मैंने छात्रें के हित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी दबाब के कार्य किया। भविष्य में विश्वविद्यालय के हित के लिए उनसे जो भी सहयोग हो सकेगा वे हमेशा तैयार रहेंगे।

धन्यवाद ज्ञापन

करते

हुए

कुलसचिव

प्रो0(डॉ0) जी0एस0 शुक्ल

e-paper : www.dailynewsactivist.com इलाहाबाद, गुरुवार, 22 फरवरी 2018, फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष सप्तमी, संवत् 2074 विक्रमी
वर्ष-11, अंक-130, पृष्ठ-16, मूल्य- ₹ 3.00, नगर संस्करण

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

RNI NO.: UPHIN/2007/42669 संस्करण : लखनऊ ■ इलाहाबाद
शब्द शब्द संघर्ष
website : www.dnahindi.com

दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनंत संभावनाएं: प्रो. सिंह

डेली न्यूज़ नेटवर्क

इलाहाबाद। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बुधवार को कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो. एमपी दुबे से पदभार ग्रहण किया। नवनियुक्त कुलपति प्रो. सिंह इससे पूर्व दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के अध्यक्ष पर पर आसीन थे। कुलपति प्रो. सिंह को बधाई देने वालों का तांता दिनभर लगा रहा।

विश्वविद्यालय में नवांगतुक कुलपति प्रो. सिंह के स्वागत एवं निवर्तमान कुलपति प्रो. दुबे की विदाई की बेला में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनन्त संभावनाएं हैं। वंचित वर्गों तक दूरस्थ शिक्षा की पहुंच को आसान किया जायेगा। उन्होंने

• प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने संभाला मुविवि कुलपति का पदभार

कहा कि विश्वविद्यालय के विकास की गति को आगे बढ़ाना उनके लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। विश्वविद्यालय को यहां के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से प्रगति के पथ पर ले जायेंगे।

निवर्तमान कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में अभी बहुत कुछ कार्य किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि मैंने छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी दबाव के कार्य किया। भविष्य में विश्वविद्यालय के हित के लिए उनसे जो भी सहयोग हो सकेगा वे हमेशा तैयार रहेंगे। विदाई की इस बेला में प्रो. दुबे को विश्वविद्यालय परिवार की तरफ से नवनियुक्त कुलपति प्रो. केएन सिंह ने शाल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. ओम जी गुप्ता, डॉ. पीपी दुबे, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. टीएन दुबे, प्रो. पीके पाण्डेय, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ. संतोषा कुमार आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने किया।

इलाहाबाद 22-02-2018

http://www.dailynewsactivist.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
शब्द शब्द संघर्ष
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

इलाहाबाद, गुरुवार
22 फरवरी 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उद्योगों के लिए पर्यावरण की एनओसी होगी सरल: महेश शर्मा } 2   सभी गांवों में दिसंबर तक हाईस्पीड नेट: मनोज सिन्हा } 2

संभाला दायित्व **मुक्त विश्वविद्यालय में निवर्तमान कुलपति प्रो. दुबे को दी भावभीनी विदाई**

दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनंत संभावनाएं : प्रो. सिंह

जासं, इलाहाबाद : प्रो. कामेश्वर नाथ (केएन) सिंह ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति पद का चार्ज संभाल लिया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो. एमपी दुबे से चार्ज लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में समारोह का आयोजन किया गया। नवनियुक्त कुलपति प्रो. सिंह इससे पूर्व दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के अध्यक्ष पर पर आसीन थे।

नवनियुक्त कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनंत संभावनाएं हैं। वंचित वर्गों तक दूरस्थ शिक्षा की पहुंच को आसान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास की गति को आगे बढ़ाना उनके लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। विश्वविद्यालय को यहां के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से प्रगति के पथ पर ले जाएंगे।

उच्च शिक्षा की पहुंच शिक्षा के वंचित वर्ग तक पहुंचे

निवर्तमान कुलपति प्रो. एमपी दुबे को स्मृतिचिन्ह भेंट करते प्रो. सिंह।

यही मेरा उद्देश्य है। शिक्षा का सार्वभौमीकरण हमारा प्रयास होगा। नकल रोकने के सवाल पर उन्होंने कहा कि केवल डंडा चलाकर नकल नहीं रोकी जा सकती है। यूजीसी के नए आर्डिनेंस के अनुसार पीएचडी होगी। गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा। खाली पदों को भरना, क्षेत्रीय केंद्रों को सुविधा मुहैया कराना, संख्यात्मक के साथ-साथ गुणात्मक वृद्धि प्राथमिकता है। निवर्तमान कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि मैंने छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी दबाव के कार्य किया। नवनियुक्त कुलपति प्रो. केएन सिंह ने प्रो. दुबे को शॉल व स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. ओमजी गुप्ता, डॉ. पीपीदुबे, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. टीएन दुबे, प्रो. पीके पाण्डेय, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ. संतोषा कुमार आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने किया। कुलपति प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अमर उजाला
उत्तर प्रदेश

मुक्त विवि के नए कुलपति से संभाला कार्यभार

इलाहाबाद। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बुधवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो. एमपी दुबे से चार्ज लिया। नई जिम्मेदारी संभालने से पहले प्रो. सिंह दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि में भूगोल के विभागाध्यक्ष थे। मुविवि में नए कुलपति प्रो. सिंह के स्वागत और निवर्तमान कुलपति प्रो. दुबे की विदाई पर समारोह का

आयोजन किया गया। नए कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि दूरस्था शिक्षा में विकास की अनंत संभावनाएं हैं। वंचित वर्गों तक दूरस्थ शिक्षा की पहुंच को आसान किया जाएगा। कहा कि मुविवि के विकास की गति को बढ़ाना उनके लिए चुनौती है। निवर्तमान कुलपति प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में अभी बहुत काम किया जाना बाकी है। कहा कि उन्होंने छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी दबाव के कार्य किया। विदाई पर प्रो. दुबे को मुविवि परिवार की ओर से नए कुलपति प्रो. केएन सिंह ने शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ. ओमजी गुप्ता, डॉ. पीपी दुबे, डॉ. आरपीएस यादव, डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. टीएन दुबे, प्रो. पीके पांडेय, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, डॉ. गिरीश द्विवेदी, डॉ. संतोषा आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. विनोद गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. जीएस शुक्ल ने किया। ब्यूरो

इलाहाबाद, गुरुवार, 22 फरवरी, 2018
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित
www.jansandeshtimes.net

शत्रुघ्न का मोदी पर तीखा तंज - 15
अनुष्का बोली, मिस यू विराट -13

दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनंत संभावनाएं : प्रो. सिंह

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कुलपति पद का चार्ज लिया

संबोधित करते नवनियुक्त कुलपति प्रो0कामेश्वर नाथ सिंह

इलाहाबाद। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने बुधवार को कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे से चार्ज लिया। नवनियुक्त कुलपति प्रो0 सिंह इससे पूर्व दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग के अध्यक्ष पर पर आसीन थे। कुलपति प्रो0 सिंह को बधाई देने वालों का तांता दिनभर लगा रहा। विश्वविद्यालय में नवांगतुक कुलपति प्रो0 सिंह के स्वागत एवं निवर्तमान कुलपति प्रो0 दुबे की विदाई की बेला में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में विकास की अनन्त संभावनाएं हैं। वंचित वर्गों तक दूरस्थ शिक्षा की पहुंच को आसान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास की गति को आगे बढ़ाना उनके लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। विश्वविद्यालय को यहां के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से प्रगति के पथ पर ले जायेंगे।

निवर्तमान कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में अभी बहुत कुछ कार्य किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि मैंने छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी दबाव के कार्य किया। भविष्य में विश्वविद्यालय के हित के लिए उनसे जो भी सहयोग हो सकेगा वे हमेशा तैयार रहेंगे। विदाई की इस बेला में प्रो0 दुबे को विश्वविद्यालय परिवार की तरफ से नवनियुक्त कुलपति प्रो0 के0एन0सिंह ने शाल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ0 ओम जी गुप्ता, डॉ0 पी0पी0दुबे, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, डॉ0 टी0एन0 दुबे, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, डॉ0 संतोषा कुमार आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने आज विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की और विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

यूपीआरटीओयू
मुक्त चिंतन
न्यूज लेटर
22 फरवरी, 2018

छात्रें से रूबरू हुए मुविवि के कुलपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने आज कई विभागों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा विभाग में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश परीक्षा नियंत्रक को दिए। कुलपति प्रो0 सिंह ने आज वित्त अधिकारी कार्यालय, परीक्षा नियंत्रक कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय सहित कई विभागों का दौरा किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने कार्यालयों में सफाई व्यवस्था दुरूस्त कराने के निर्देश दिए। परीक्षा विभाग में प्रदेश के कई स्थानों से आए छात्रों से रूबरू होते हुए कुलपति प्रो0 सिंह ने उनकी समस्यायें सुनी तथा कई शिक्षार्थियों के अधूरे अंकपत्र पूर्ण कराकर उन्हें दिए। परिसर में कुलपति प्रो0 सिंह को अपने बीच पाकर छात्र प्रफुल्लित दिखे।

कुलपति प्रो0 सिंह ने परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी को निर्देशित किया कि जितनी भी अधूरी मार्कशीट हो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाये। इसके साथ ही उन्होंने परिसर को साफ–सुथरा बनाये रखने का निर्देश सभी पटल प्रभारियों को दिया। कुलपति प्रो0 सिंह के साथ कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, वित्त अधिकारी श्री एस0पी0 सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, मीडिया प्रभारी डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र आदि

विश्वविद्यालय में प्रदेश के कई स्थानों से आए छात्रें से रूबरू होते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

नवनियुक्त माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी पुषगुच्छ देकर उनका स्वागत करते हुए शिक्षकगण एवं सामाजिक कार्यकर्ता